सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादक: रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com

swarajindianews swarajindianews

दैनिक सांध्यकालीन

स्वराज इंडिया

कानपुर, सोमवार, 07 अप्रैल, 2025

वर्ष: 02, अंक: 101, पृष्ठ: 8+4, मूल्य: ₹ 2/-

सरकार का संकल्प किसी के साथ नहीं होगा अन्याय » Pg12

इनसाइड रामनवमी के दिन डीएम ने नौ महिलाओं को दिए शस्त्र... » Pg02

उज्जवला योजना सिलेंडर की कीमत बढ़ी

महंगी हुई रसोई गैस, पचास रुपए बढ़े दाम

हाय महंगाई

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

नई दिल्ली। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने आज सोमवार को वितरण कंपनियों की ओर से रसोई गैस या एलपीजी की कीमत में 50 रुपये प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी किए जाने का एलान किया। मंत्री ने कहा कि उज्वला और सामान्य श्रेणी के ग्राहकों दोनों के लिए गैस की कीमत में इजाफा किया गया है।

प्राप्त खबरों के अनुसार सामान्य उपभोक्ताओं के लिए 14.2 किलोग्राम वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमत 803 रुपये से बढ़कर 853 रुपये हो जाएगी और उज्ज्वला योजना के तहत उपभोक्ताओं के लिए 14.2 किलोग्राम वाले सिलेंडर की कीमत 503 रुपये से बढ़कर 553 रुपये हो जाएगी।

मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा, एलपीजी के प्रति सिलेंडर की कीमत में 50 रुपये की वृद्धि होगी। 500 से यह 550 (पीएमयूवाई लाभार्थियों के लिए) हो जाएगी और अन्य के लिए यह 803 रुपये से बढ़कर 853 रुपये हो जाएगी। यह एक ऐसा कदम है जिसकी हम आगे बढ़ने के साथ समीक्षा करेंगे। हम हर 2-3 सप्ताह में इसकी समीक्षा करते हैं। इसलिए, आपने जो उत्पाद शुल्क में वृद्धि देखी है, उसका बोझ पेट्रोल और डीजल पर उपभोक्ताओं पर नहीं पड़ेगा। उस उत्पाद शुल्क वृद्धि का उद्देश्य तेल विपणन कंपनियों को 43,000 करोड़ रुपये की भरपाई करना है, जो उन्हें गैस के हिस्से पर हुए नुकसान के रूप में हुआ है।

क्रूड ऑयल की कीमतों उतार-चढ़ाव जारी

सरकार की ओर से यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है, जब वैश्विक बाजार में क्रूड ऑयल की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है और घरेलू बाजार में गैस सब्सिडी को लेकर कई सवाल उठते रहे हैं. हालांकि, पुरी ने भरोसा दिलाया कि सरकार उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और हर बदलाव की नियमित समीक्षा की जाएगी. इस निर्णय से जहां एक ओर रसोई का बजट थोड़ा बढ़ेगा, वहीं दूसरी ओर सरकार द्वारा तेल कंपनियों को राहत देने का प्रयास भी नजर आता है. यह देखना दिलचस्प होगा कि आगामी हफ्तों में स्खल कीमतों में कोई राहत मिलती है या नहीं।

पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में भी दो रुपए का इजाफा

सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में 2 रुपये का इजाफा कर दिया है। सरकार ने भले ही पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी बढ़ा दी है। लेकिन इसका असर आपकी जेब पर नहीं पड़ेगा। सूत्रों के मुताबिक बढ़ी हुई एक्साइज ड्यूटी का बोझ ऑयल कंपनियां वहन करेंगी। सरकार ने पिछले साल आम चुनाव से ठीक पहले 14 मार्च को सरकार ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 2 रुपये प्रति लीटर की कमी की थी। दिल्ली में सोमवार को पेट्रोल 94.77 प्रति लीटर और डीजल 87.67 प्रति लीटर के हिसाब से मिल रहा है।

» संबंधित खबर पृष्ठ 12 पर....

बड़ी कार्रवाई

ईडी पहले भी जब्त कर चुकी है विनय शंकर की संपत्तियां

पूर्व सपा विधायक के गोरखपुर, लखनऊ और मुंबई सहित दस ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापे

दबिश

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया।

लखनऊ। सपा नेता और चिल्लूपार सीट से पूर्व विधायक विनय शंकर तिवारी के गोरखपुर, लखनऊ, नोएडा और मुंबई के ठिकानों सहित देश में करीब दस जगहों पर ईडी ने एक साथ रेड डाली है। सोमवार की सुबह हुई इस कार्रवाई को एक साथ अंजाम दिया गया। सूत्रों के अनुसार ईडी ने उनके खिलाफ चार्जशीट तैयार कर ली थी। जल्द ही उसे कोर्ट में पेश किया जाना है।

ईडी की जांच में सामने आया था कि मेसर्स गंगोत्री एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने अपने प्रमोटरों, निदेशकों, गारंटरों के साथ मिलकर बैंक ऑफ इंडिया के नेतृत्व वाले सात बैंकों के कंसोर्टियम से 1129.44 करोड़ रुपये की क्रेडिट सुविधाओं का लाभ लिया था। बाद में इस रकम को उन्होंने अन्य कंपनियों में डायवर्ट कर दिया और बैंकों की रकम को वापस नहीं किया। इससे बैंकों के कंसोर्टियम को करीब 754.24 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था।

पूर्व विधायक विनय शंकर तिवारी की 72.08 करोड़ रुपये की संपत्तियों को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नवंबर 2023 में जब्त कर दिया था। ईडी ने यह कार्रवाई विनय तिवारी की कंपनी गंगोत्री इंटरप्राइजेस लिमिटेड द्वारा बैंकों के कंसोर्टियम का करीब 1129.44 करोड़ रुपये हड़पने के मामले में की थी। बैंकों की शिकायत पर सीबीआई मुख्यालय ने केस दर्ज किया था, जिसके बाद ईडी ने भी विनय तिवारी समेत कंपनी के समस्त निदेशक, प्रमोटर और गारंटर के खिलाफ मनी लांड्रिंग एक्ट के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी।

2023 में ही राजधानी स्थित ईडी के जोनल कार्यालय ने विनय तिवारी की गोरखपुर, महराजगंज और लखनऊ स्थित कुल 27 संपत्तियों को जब्त किया था, जिनमें कृषि योग्य भूमि, व्यवसायिक कांप्लेक्स, आवासीय परिसर, आवासीय भूखंड आदि शामिल हैं।

रामनवमी के दिन डीएम ने 9 महिलाओं को दिए शस्त्र लाइसेंस

डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह ने 9 महिलाओं को शस्त्र

- » 8 साल से पेंडिंग था आवेदन
- » डीएम बोले - इसका गलत इस्तेमाल बिल्कुल भी नहीं हो

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। अपने पति की मौत के बाद उनके शस्त्र को लेने के लिए वर्षो पहले किए गए आवेदन पर रामनवमी के दिन डीएम ने शस्त्र लाइसेंस देने का फैसला किया। इस दौरान महिलाएं भावुक हो गईं। कानपुर डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह ने रामनवमी के मौके पर कलेक्ट्रेट में 9 महिलाओं को वरासत श्रेणी के शस्त्र लाइसेंस सौंपे।

डीएम ने जानकारी देते हुए बताया कि बूली तिवारी ने पति स्व आजाद कुमार तिवारी की रिवाल्वर को वरासत में लेने के लिए 8 साल पहले आवेदन किया था। लेकिन शस्त्र लाइसेंस न बनने की वजह से आवेदन पेंडिंग था। आज डीएम ने शस्त्र लाइसेंस सौंपा तो वो भावुक हो गईं।

नारी सुरक्षा भावना के तहत दिए गए शस्त्र लाइसेंस

डीएम ने बताया कि नारी सुरक्षा की नीति के अंतर्गत आज कलेक्ट्रेट सभागार में रामनवमी के उपलक्ष्य पर देवी स्वरूप 9 महिलाओं को वरासत के लाइसेंस वितरित किए गए हैं।

इससे नारी सुरक्षा व नारी सम्मान को बढ़ावा मिलेगा। आज उनके परिवारजनों को ही लाइसेंस वरासत में मिले हैं, जिनमें 8 महिलाओं के पति की मृत्यु बाद और एक महिला को उनके ससुर ने उनको दिया है।

इनको दिए गए शस्त्र लाइसेंस

1. रितु सिंह पत्नी स्व दीपेंद्र सिंह
2. विभा द्विवेदी पत्नी स्व शिव प्रकाश द्विवेदी
3. बूली तिवारी पत्नी स्व आजाद कुमार तिवारी
4. कुलविंदर कौर पत्नी स्व हरदीप कौर
5. फिरदौस कटियार पत्नी स्व विवेक कुमार कटियार
6. सरला सिंह पत्नी स्व प्रेम सिंह
7. अल्पना बाजपेई पत्नी स्व अनिल बाजपेई
8. ओमसिया पत्नी स्व अंकित सिंह
9. सुलभा अग्निहोत्री पत्नी नितिन अग्निहोत्री (सुसर स्व अशोक कुमार का शस्त्र लाइसेंस दिया गया)

डीएम ने नसीहत भी दी

डीएम ने महिलाओं को शस्त्र लाइसेंस और इसकी गंभीरता को भी बताया। उन्होंने बताया कि इसका गलत इस्तेमाल बिल्कुल भी नहीं होना चाहिए ।सार्वजनिक या आवेश में आकर इसका प्रदर्शन भी कभी नहीं करना है। अनावश्यक दुरुपयोग कभी नहीं होना चाहिए।

चमनगंज क्षेत्र बिजली चोरी के मामले में नंबर वन

कानपुर। शहर में प्रतिमाह बिजली चोर कानपुर विद्युत आपूर्ति कंपनी (केस्को) को लाखों रुपये की चपत लगा रहे हैं, जिसमे पहले नंबर पर चमनगंज क्षेत्र है। रमजान व ईद की वजह से केस्को की विजिलेंस टीम ने कुछ दिन पहले अभियान का संचालन रोक दिया था, लेकिन सोमवार से टीम फिर से बिजली चोरी रोको अभियान शुरू करेगी।

केस्को की विजिलेंस टीम ने मार्च माह में बिजली चोरी रोको अभियान का संचालन चमनगंज क्षेत्र में शुरू किया था, लेकिन रमजान के मौके पर पुलिस के साथ हुई बैठक के बाद केस्को की विजिलेंस टीम ने अभियान रोक दिया था। अब रमजान व ईद के बाद केस्को की विजिलेंस टीम ने फिर से अभियान का संचालन करने की पूरी तैयारी कर ली है।

यह अभियान चमनगंज क्षेत्र में तब तक चलेगा, जब तक लाइनलॉस की समस्या 25 फीसदी से पांच फीसदी तक नहीं हो जाती। बिजली चोरी रोको अभियान बाबूपुरवा, बेगमपुरवा, डिप्टी पड़ाव, साइकिल मार्केट, अफीम कोठी व आलूमंडी क्षेत्र चलेगा। केस्को प्रबंध निदेशक सैमुअल पॉल ने बताया कि बिजली चोरी पर अंकुश लगाया जाएगा।

भूमिगत केबिल व सी पैनल में भी लग रही कटिया

केस्को के एक अभियंता ने बताया कि बिजली चोरों ने भूमिगत केबिल और सी पैनल से बिजली चोरी करने का तरीका खोज निकाला है। इसके साथ ही एबी केबिल से भी पूर्व में बिजली चोरी के मामले सामने आ चुके हैं। भूमिगत केबिल से बिजली चोरी करना वैसे तो मुश्किल है, लेकिन जब भूमिगत कोई कार्य होता है तो संबंधित चोर कार्य करने वाले श्रमिकों से सेटिंग कर बिजली चोरी को अंजाम देते हैं।

माता-पिता की याद में बनवाए मंदिर में फेंका जा रहा कूड़ा

पटवारी की रोक के बाद भी आरोपी फैला रहा गंदगी

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर । आज भी भारत के अंदर जहां लोग धर्म के प्रति आस्था रखते हैं। सनातनी देवी देवताओं के प्रति श्रद्धा रखते हैं तो वहीं कुछ ऐसे भी श्रद्धालु पाए जाते हैं जो व्यक्तिगत द्वेष को दर्शाते हुए अपनी अनैतिक गतिविधियों से धार्मिक आस्था को भी तार-तार कर डालते हैं। ऐसा ही एक प्रकरण निकल कर आया है ग्राम देशामऊ,भौंती प्रतापपुर थाना सचेंडी के अंतर्गत जहां सामाजिक संस्थान की भूमि पर बने मंदिर के प्रांगण में लंबे समय से एक व्यक्ति अपने घर का कूड़ा फेंक रहा है और जब उसे इस कार्य के लिए रोका गया तो उसके द्वारा उग्रता पूर्वक व्यवहार को दर्शाते हुए और अधिक कूड़ा फेंकना शुरू कर दिया गया।

प्रार्थी मानसिंह जो की एक वृद्ध नागरिक हैं उनके द्वारा उन्हीं की पैतृक भूमि जो कि ग्राम देशामऊ,भौंती प्रतापपुर कानपुर नगर में स्थित है उस पर सन् 2007 में फ्लीलावती भारतसिंह शिक्षण एवं समाजसेवा संस्थानफ के नाम से संस्था बनाकर उसके तहत प्रभु श्री गणेश तथा शनि देव भगवान के मंदिरों की स्थापना कराई गई इसके साथ ही अपने पैतृक निवास को असहाय वृद्धो के रहने हेतु आश्रम बना दिया गया। इस धार्मिक प्रांगण में क्षेत्रीय निवासी छिद्दू सिंह नामक व्यक्ति लगभग 15 वर्षों से कूड़ा आदि फेंक कर गंदगी फैला रहा है। गंदगी के कारण क्षेत्रीय महिलाओं एवं पुरुषों को मंदिर प्रांगण में मौजूद केले के पेड़ में जल आदि चढ़ाने में तमाम समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। अमानवीय प्रवृत्ति के व्यक्ति छिद्दू सिंह की प्रार्थी के द्वारा तमाम आला अधिकारियों से शिकायत भी की गई पर आरोपी आज भी अनैतिक गतिविधियां कर रहा है।

लेखपाल की रोक के बाद भी आरोपी के हौसले बुलंद

लंबे अरसे से धार्मिक प्रांगण की स्वच्छता को लेकर आरोपी छिद्दू सिंह के खिलाफ शिकायती पत्र हाथ में लिए आला अधिकारियों के दफ्तरों के चक्कर काटते प्रार्थी मानसिंह की मेहनत रंग लाई और जांच के आदेश के बाद लेखपाल अमित दीक्षित ने अपनी रिपोर्ट में यहां पर यथा स्थिति बनाए रखने तथा कूड़ा ना फेंकने की नसीहत दे डाली और इलाकाई प्रशासन को कूड़ा फेंकने पर कड़ी कार्यवाही करने की बात कही। परंतु पुलिसिया तंत्र ने लेखपाल की रिपोर्ट का न तो संज्ञान लिया और ना ही आरोपी पर कोई कार्यवाही की आरोपी आज भी लगातार धार्मिक प्रांगण में कूड़ा फेंक कर गंदगी फैला रहा है।

-बेटा और बहू के पुलिस विभाग में होने के कारण पुलिस देती है ढील-

लेखपाल की रिपोर्ट के आधार पर प्रार्थी मानसिंह के द्वारा क्षेत्रीय थाने सचेंडी में आरोपी छिद्दू सिंह के खिलाफ कई बार प्रार्थना पत्र दिए गए पर पुलिस के द्वारा आरोपी के पुत्र रितेश सिंह और उनकी पत्नी दोनों पुलिस विभाग में ही कार्यरत हैं इस बात को ध्यान में रखते हुए और अपने विभागीय रिश्ते को गंभीरता से लेते हुए अब तक आरोपी के खिलाफ किसी भी प्रकार की कोई कार्यवाही नहीं की गई है। बल्कि प्रार्थी को ही पुलिस के द्वारा यह बोल दिया जाता है कि छिद्दू सिंह आपके पड़ोसी हैं आप ही थोड़ा बर्दाश्त कर लीजिए।

कचरा फेंकने जाता आरोपी छिद्दू सिंह

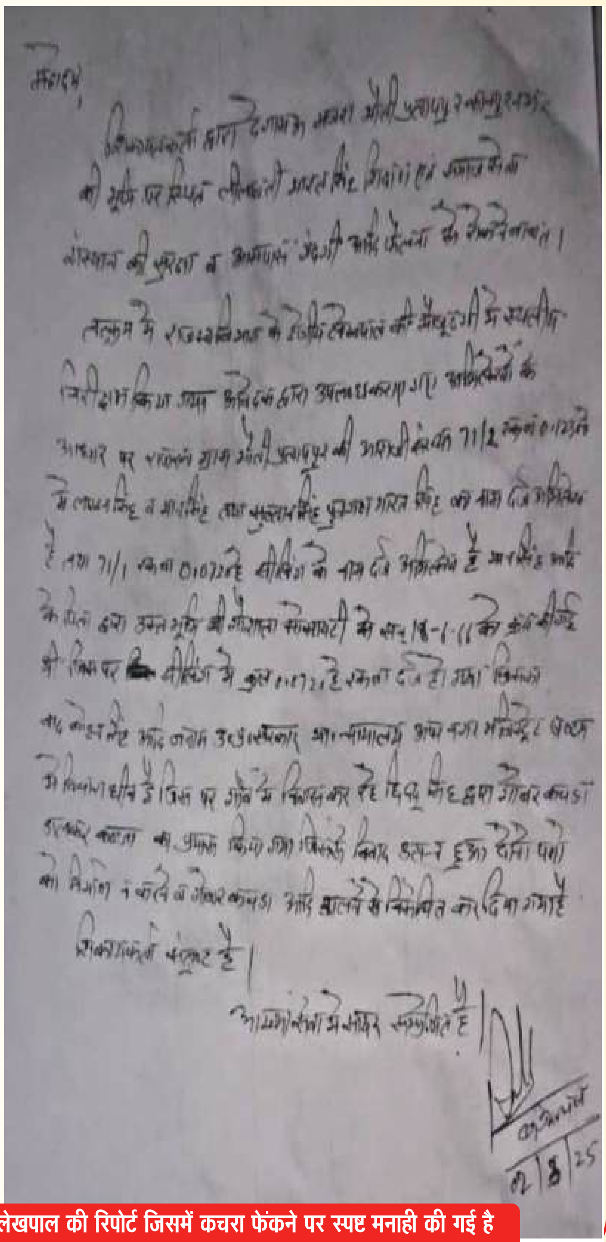

लेखपाल की रिपोर्ट जिसमें कचरा फेंकने पर स्पष्ट मनाही की गई है

कल्याणपुर में मातारानी के विशाल जागरण का हुआ आयोजन

» जागरण पार्टी के गायकों ने मां मुरादे पूरी कर दें हलवा बाटूंगी, चलो बुलावा आया है माता ने बुलाया है गानों की रही धूम

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कल्याणपुर आवास विकास के सत्यम बिहार में प्रसिद्ध कलाकारों के द्वारा माता रानी के विशाल जागरण में आशीष शुक्ला, गरिमा जायसवाल, मुरलीधर शर्मा, डॉ गौरव मिश्रा सहित सुंदर भजनों के साथ बारी बारी से सभी कलाकार समां बांधेंगें वहीं गौरव महादेवा बाहुबली के रोल में एवं प्रिया ठाकुर झांकी में एक अहम रोल अदा करेंगीं साथ ही हजारों श्रद्धालु मातारानी के भजनों में थिरकते नज़र आए वहीं एक एक करके गायक कलाकारों ने अपने भक्तों का सुंदर भजनों के द्वारा मन मोह लिया।

जागरण पार्टी के गायकों ने मां मुरादे पूरी कर दें हलवा बाटूंगी, चलो बुलावा आया है माता ने बुलाया है, शेर पर सवार होके आई मां शेरावाली आदि भजन गाकर लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। भजनों के बीच में भगवान गणेश, मां दुर्गा, काली मां, राधा कृष्ण, जय वीर हनुमान, साईं बाबा, शंकर पार्वती आदि की मनमोहक झांकियां रही। सुबह माता रानी की कथा हुई उसके बाद माता रानी का पूजन कर अंकित चौधरी ने अपने परिवार सहित कन्याओं को भोग लगाया। आरती के बाद प्रसाद वितरित हुआ। इस मौके पर कल्याणपुर विधानसभा के पूर्व विधायक के सतीश निगम,प्राची चौधरी, नैतिक चौधरी, राजेश्वरी चौधरी शुभम चौधरी, ममता कुशवाहा साक्षी, अंकित कुशवाहा, अनिता कुशवाहा,जानवी ,बलराज सिंह माता प्रसाद चौधरी ,शिवानी वा सभी भक्त मौजूद रहे।

निजी स्कूलों की मनमानी और अभिभावकों का शोषण

वर्तमान समय में शिक्षा को ज्ञान का माध्यम कम और व्यवसाय का जरिया अधिक समझा जाने लगा है। निजी स्कूल, जो कभी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का प्रतीक माने जाते थे, अब अभिभावकों की जेब पर बोझ बनते जा रहे हैं। कापी-किताबों की आड़ में इन स्कूलों द्वारा की जा रही लूट किसी डकैती से कम नहीं है। यह एक ऐसा मुद्दा है जो न केवल शिक्षा व्यवस्था की साख पर सवाल उठाता है, बल्कि समाज के मध्यम और निम्न आय वर्ग के परिवारों के लिए गंभीर संकट पैदा कर रहा है।

हर साल नया शैक्षणिक सत्र शुरू होते ही निजी स्कूलों की ओर से किताबों, कॉपियों और स्टेशनरी की लंबी फेहरिस्त अभिभावकों के सामने पेश कर दी जाती है। ये सामग्रियां न केवल महंगी होती हैं, बल्कि इन्हें खरीदने के लिए अभिभावकों को स्कूल द्वारा निर्धारित दुकानों या प्रकाशकों तक सीमित कर दिया जाता है। बाजार में उपलब्ध सस्ते और समान गुणवत्ता वाले विकल्पों को दरकिनार कर स्कूल प्रबंधन अपनी मर्जी थोपता है। यह स्पष्ट है कि इसके पीछे कमीशन और मुनाफाखोरी का खेल चल रहा है। क्या यह शिक्षा का उद्देश्य है कि बच्चों के भविष्य के नाम पर उनके माता-पिता को आर्थिक रूप से कमजोर किया जाए?

यह शोषण यहीं तक सीमित नहीं है। हर साल पाठ्यक्रम

में मामूली बदलाव कर नई किताबें खरीदने की बाध्यता थोपी जाती है, भले ही पुरानी किताबें उपयोगी हों। इसके अलावा, स्कूलों द्वारा आयोजित गतिविधियों, वर्कशॉप और अन्य शुल्कों के नाम पर भी अभिभावकों से अतिरिक्त वसूली की जाती है। एक तरफ सरकार शिक्षा को सभी के लिए सुलभ बनाने की बात करती है, वहीं निजी स्कूलों की यह मनमानी उस सपने को चकनाचूर कर रही है।

यह विडंबना है कि शिक्षा जैसे पवित्र क्षेत्र में भी बाजारवाद हावी हो गया है। अभिभावक मजबूरी में चुप रहते हैं, क्योंकि वे अपने बच्चों के भविष्य से समझौता नहीं करना चाहते। लेकिन सवाल यह है कि आखिर यह सिलसिला कब तक चलेगा? सरकार को चाहिए कि वह निजी स्कूलों पर सख्त नियामक नीतियां लागू करे। किताबों और स्टेशनरी की खरीद में पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए और अभिभावकों को सस्ते विकल्प चुनने की आजादी दी जाए। साथ ही, स्कूल प्रबंधन और प्रकाशकों के बीच सांठगांठ की जांच के लिए एक स्वतंत्र तंत्र स्थापित किया जाना चाहिए शिक्षा का मकसद ज्ञान बांटना है, न कि अभिभावकों की मेहनत की कमाई को लूटना। निजी स्कूलों को यह समझना होगा कि उनकी जिम्मेदारी केवल मुनाफा कमाना नहीं, बल्कि समाज के प्रति जवाबदेही भी है। जब तक इस लूट पर लगाम नहीं लगेगी, तब तक शिक्षा का असली उद्देश्य अधूरा ही रहेगा। यह वक्त है कि हम सब मिलकर इस मुद्दे पर आवाज उठाएं, ताकि शिक्षा फिर से सच्चे अर्थों में सशक्तिकरण का माध्यम बन सके।

श्याम सिंह 'पंवार'
वरिष्ठ पत्रकारनिवर्तमान सदस्य
प्रेस कॉन्सिल ऑफ इंडिया

सम्पादकीय

प्रदूषण की वजह से सकल घरेलू उत्पाद

दुनिया में प्रदूषण की स्थिति बहुत गंभीर है। बढ़ते प्रदूषण से न केवल स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा होती हैं, बल्कि पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचता है। वायु प्रदूषण की वजह से दुनिया को हर साल 8.1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का नुकसान होता है। वायु प्रदूषण महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों सहित हाशिए पर पड़े लोगों को असमान रूप से प्रभावित करता है। प्रदूषण की वजह से दुनिया के सकल घरेलू उत्पाद में 6.1 फीसदी की कमी आती है। साथ ही हर साल 1.2 बिलियन कार्य दिवसों का नुकसान होता है। दुनिया के 20 सर्वाधिक प्रदूषित शहरों में 13 भारत के ही हैं, जिनमें राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली दूसरे स्थान पर है। भारत में जल के लगभग 70 प्रतिशत स्रोत प्रदूषित हो चुके हैं।देश में वायु, जल एवं ध्वनि प्रदूषण पर नजर रखने के लिए 2018 में प्रदूषण नियंत्रण योजना शुरू की गई थी और इसके लिए पूरी राशि सरकार ही उपलब्ध करा रही है। सरकार का राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) योजना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। भारत अपने सकल घरेलू उत्पाद का 5.4 फीसदी वायु प्रदूषण पर खर्च करता है, लेकिन प्रदूषण नियंत्रण के लिए 2024-25 में 858 करोड़ रुपये के बजट का केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय की मंजूरी के अभाव में उपयोग नहीं हो सका। चालू वित्त वर्ष समाप्त होने वाला है, ऐसे में यह स्थिति प्रदूषण को लेकर लापरवाह रवैया एवं ठोस योजना के अभाव की तरफ इशारा कर रही है।

संसदीय समिति की रिपोर्ट के मुताबिक हैरत की बात है कि पर्यावरण प्रदूषण के नियंत्रण के लिए सरकार ने 858 करोड़ रुपये में से एक प्रतिशत भी पैसा खर्च नहीं किया। प्रदूषण नियंत्रण योजना के तहत, केंद्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों और समितियों को वित्तीय सहायता और राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) के लिए पैसे मुहैया कराता है, जिसका उद्देश्य 131 अत्यधिक प्रदूषित शहरों में प्रदूषण को 40 प्रतिशत तक कम करना है। वास्तव में भारत में प्रदूषण की गंभीर स्थिति पिछले कई वर्षों से वैश्विक सुर्खियों में रही है।देश में सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट को देखते हुए प्रदूषण नियंत्रण कार्यक्रमों को निरंतर जारी रखना चाहिए और इसमें किसी प्रक्रियात्मक देरी जैसे अनुमति मिलने में देरी की भी गुंजाइश नहीं है। ऐसे में संसदीय समिति की रिपोर्ट चिंता बढ़ाने वाली है। सवाल उठता है कि ऐसी योजना के लिए अनुमति समय रहते क्यों नहीं मिलती है, विशेषकर जब देश के शहरों में प्रदूषण गंभीर स्तरों तक पहुंच चुका है। कहा जा सकता है कि प्रदूषण की समस्या को देखते हुए आवंटित राशि का सही तरीके से उपयोग किया जाना बेहद आवश्यक है। यदि इस स्थिति में सुधार नहीं किया गया, तो प्रदूषण का स्तर और भी गंभीर हो सकता है।

महिलाओं को मोहरा बना, पास हुआ वक्फ संशोधित बिल (उम्मीद)

नाहीद अकील

पसमांदा मुस्लमानों और औरतों को झूठी उम्मीद दिखा कर पास हुआ यूनीफाइड वक्फ मैनेजमेंट इम्पावरमेंट एफिशिएंसी एवं डेवलपमेंट (उम्मीद) बिल। देश भर में वक्फ सम्पत्तियां की काफी संख्या है मुस्लिम टुडे में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक सिर्फ सुन्नी वक्फ बोर्ड के पास देश भर में (पश्चिम बंगाल में एक लाख 48 हजार दो सौ, उत्तर प्रदेश में एक लाख 22 हजार 839 आंध्र प्रदेश 35 हजार 703 , कर्नाटक 28 हजार 731, महाराष्ट्र 23 हजार 556, राजस्थान 19 हजार 543, हरियाणा 11929, पंजाब 11हजार 243 केरल 36 हजार 500) सम्पत्तियां हैं। सच्चर कमेटी की इस रिपोर्ट से वक्फ सम्पत्तियां का अंदाजा लगाया जा सकता है कि पूरे देश में पंजीकृत मुस्लिम सम्पत्तियां की संख्या 4.9 लाख से कहीं ज्यादा है, लेकिन इन जायदाद पर बहुत से लोगों ने कब्ज़ा कर लिया है और बहुत सी सरकारी कब्जे में हैं। सच्चर कमेटी के रिपोर्ट के मुताबिक अगर वक्फ की जमीनों से प्रभावी तरीक से आमदनी की जाए तो वक्फ की सालाना आमदनी 12 हजार करोड़ हो सकती है जिससे मुस्लिम समुदाय के सामाजिक आर्थिक एवं शैक्षिक पिछडेपन को दूर किया जा सकता है।

अक्सर सवाल उठाया जाता है कि मुस्लिम समुदाय के पास इतनी सम्पत्तियां कैसे आई? दरअसल समाज सेवा का जज़्बा रखने वाले शासकों एव आम मुस्लिम जो हैसियत में मजबूत हुआ करते थे वो अपनी बहुत सी जमीन जायदाद को मुस्लिम समुदाय के विकास के लिए वक्फ कर दिया करते थे। अल्लाह के नाम पर दान में दी गई चल अचल सम्पति जिसके पीछे उनका मकसद गरीबों की मदद करना शैक्षणिक संस्थानों मुसाफिरखानों , शादी घरों, मस्जिदों, मजारों, कबरस्तानों का निर्माण कराना विषेश रूप से विधवाओं, विकलांगों और अनाथ बच्चों को मदद करना था, लेकिन इतनी सम्पत्ति होने के बावजूद मुस्लिम समुदाय को इसका फायदा नही मिल पा रहा था कब्रस्तान मजार और मदरसों को छोड कर अधिकांश बेशकीमती सम्पत्तियों पर होटल फैक्ट्री कार्यालय बना कर सरकारी और गैरसरकारी संस्थाओं ने कब्जा कर रखा है मुकेश अम्बानी ने मुम्बई में यतीमखाने की 500 करोड़ से ज्यादा की जमीन कौड़ियों के भाव ले ली। किसी फौजी ने दिल्ली में रातों रात फोर्स लगा कर वक्फ की 300 वर्ग मीटर जमीन पर कब्जा कर 99 साल के लिए अपने नाम लीज करवा ली ।आजादी के बाद वक्फ सम्पत्ति की सुरक्षा व प्रबंधन के लिए समय समय पर कई कानून बनाये गये और उनकी समस्याओं को जानने के लिए कई कमेटियों का भी गठन किया गया । वक्फ जायदाद की पूर्ण सुरक्षा के लिए मुसलमान वक्फ अधिनियम 1923 को रद् करते हुए वक्फ अधिनियम 1954 बनाया गया जो एक साथ देष के सभी राज्यों पर लागू हुआ। फिर 1976 में वक्फ जॉच कमीषन की रिपोर्ट को देखते हुए तत्कालीन प्रधानमंत्री इंन्दिरा गाँधी ने सभी सरकारी विभागों को निर्देष देते हुए लिखा था कि वक्फ की सम्पत्तियों से अपना कब्जा हटाये या बाजार के अनुसार किराया दे लेकिन आज तक ऐसा नहीं हो पाया।

1995 में एक मुक्ममल नये कानून को वक्फ अधिनियम 1995 के नाम से लागू किया गया जिसके अधीन देष के 35 वक्फ बोर्ड काम करते है सन 1996-2006 में वक्फ संसदीय समिति की रिपोर्ट में भी देषभर की हजारों करोड रूपये की कीमतों वाली संम्पत्तियों की सुरक्षा के बारे में सिफाारिश की आजादी के बाद वक्फ सम्पतियों की सरक्षा एवं प्रबंधन के लिए सरकारों द्वारा जो भी प्रयास किये गये वो वक्फ के हितों को ध्यान में रखते हुए किये गये लेकिन मौजूदा वक्फ संषोधित बिल (उम्मीद)न सिर्फ अनुच्छेद 14, 16, 25, 26, 29 एवं 30 का उलघंन करता है, बल्कि मुस्लिम समुदाय को इस बिल के माध्यम से दूसरे श्रेणी का नागरिक बनाने का प्रयास किया गया है। पिछडे मुस्लिमानों को झूठा आश्वासन देकर मुस्लिम समुदाय के भीतर फूट डालों राज करो का काम किया है देश के लिए ये अब तक का सबसे खतरनाक और लोकतंत्र के खिलाफ किया गया फैसला है। ये बिल भू माफियों को संरक्षण देने वाला बिल है। इस बिल के अनुसार वक्फ की जो जमीन विवादित है, उसका इस बिल के तहत वक्फ स्टेटस खत्म हो जायेगा। कानून के प्रवधान 107 के तहत जिन जमीनों पर 12 साल से कब्जा है; उस जमीन से कब्जा हटवाने के लिए वक्फ बोर्ड अब कानूनी लडाई नहीं लड सकता है। देश के गैर मुस्लिम ट्रस्ट को अपनी कमेटियों में किसी अन्य धर्म विशेषकर मुस्लिम को शामिल नहीं किया जा सकता है। जबकी वक्फ बोर्ड में जबरदस्ती गैर मुस्लिम को शामिल करने का प्रवधान इस बिल में है। हमारी ही सम्पति का फैसला हमें करने के अधिकार से वंचित किया जा रहा है।

लेखिका व (समाज सेविका)

राम नाम लेकर सत्ता में पहुँची बीजेपी का जन्मदिन रामनवमी पर

रामनवमी

नीरज दुबे

भाजपा आज अपने स्थापना दिवस पर कई कार्यक्रम आयोजित कर रही है। पार्टी के नेता अपने भाषणों में कह रहे हैं कि भारतीय जनता पार्टी जहां ''राष्ट्र भक्ति'' को समर्पित है वहीं विरोधी दलों का समर्पण ''परिवार भक्ति'' के प्रति है।आज रामनवमी है यानि प्रभु श्रीराम का जन्मदिन। संयोग देखिये कि देश में सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी का जन्मदिन भी इस बार प्रभु श्रीराम के जन्मदिवस पर ही पड़ा है।

हम आपको बता दें कि आज भाजपा का स्थापना दिवस है। राम नाम लेकर भाजपा ने जिस तरह देशभर में अपना परचम फहराया और अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य राम मंदिर बनाने का संकल्प सिद्ध कर दिखाया, यह उसी की परिणति है कि पार्टी लगातार चुनाव जीतती जा रही है। रामनवमी के पर्व पर पड़े भाजपा के स्थापना दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रामेश्वरम के दौरे पर हैं। रामेश्वरम को वह स्थान माना जाता है, जहाँ भगवान श्रीराम ने रावण को हराने के लिए लंका तक जाने के लिए पुल का निर्माण किया था। खास बात यह है कि प्रधानमंत्री रामेश्वरम में श्रीलंका यात्रा के बाद पहुँचे हैं। प्रधानमंत्री ने यहां पंबन पुल का उद्घाटन किया है। रामनवमी यानि रामजी के जन्मदिन के दिन प्रधानमंत्री द्वारा इस पुल का उद्घाटन करने का काफी धार्मिक महत्व माना जा रहा है।दूसरी ओर, भाजपा आज अपने स्थापना दिवस पर कई कार्यक्रम आयोजित कर रही है। पार्टी के नेता अपने भाषणों में कह रहे हैं कि भारतीय जनता पार्टी जहां ''राष्ट्र भक्ति'' को

समर्पित है वहीं विरोधी दलों का समर्पण ''परिवार भक्ति'' के प्रति है। भाजपा नेता परिवारवादी पार्टियों को लोकतंत्र का दुश्मन भी करार दे रहे हैं। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पार्टी मुख्यालय पर ध्वजारोहण कर पार्टी के विचारक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तथा भाजपा के अन्य वरिष्ठ नेताओं ने पार्टी स्थापना दिवस पर कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए उनका मार्गदर्शन भी किया। इसके अलावा सभी राज्यों में पार्टी की ओर से तमाम कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं और अब तक के सफर में योगदान देने वाले नेताओं और कार्यकर्ताओं को याद किया जा रहा है।

देखा जाये तो देश के राजनीतिक इतिहास में छह अप्रैल का दिन खास अहमियत रखता है क्योंकि भारतीय जनता पार्टी की स्थापना 1980 में आज ही के दिन हुई थी। श्यामा प्रसाद मुखर्जी द्वारा 1951 में स्थापित भारतीय जन संघ से इस नयी पार्टी का जन्म हुआ था। स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी ने मुंबई में हुए अधिवेशन में भाजपा की नींव रखी थी और वह पार्टी के पहले अध्यक्ष भी चुने गये थे। दो सांसदों वाली पार्टी से तीसरी बार केंद्र में लगातार सरकार बनाने वाली पार्टी बनी भाजपा आज विश्व की सबसे बड़ी सदस्य संख्या वाली राजनीतिक पार्टी भी है। यही नहीं आज देश में भाजपा या भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए की डेढ़ दर्जन से ज्यादा राज्यों में सरकार है। इस तरह पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद की विचारधारा से उपजी भारतीय जनता पार्टी एक तरह से अपने स्वर्णिम काल में है।जनता का भाजपा के प्रति आकर्षण इसलिए भी बढ़ता जा रहा है क्योंकि वह चुनाव परिणाम की परवाह किये बिना राष्ट्रहित के मुद्दों पर आगे बढ़ने में संकोच नहीं करती। अयोध्या में राम मंदिर बनाने की बात हो, जम्मू-कश्मीर से धारा 370 को हटाने की बात हो, मुस्लिम महिलाओं को तीन तलाक से निजात दिलाने की बात हो, वक्फ संशोधन विधेयक पारित कराने की बात हो, महिला आरक्षण विधेयक पारित कराने की बात हो या फिर समान नागरिक संहिता और %एक देश एक चुनाव% जैसे बड़े सुधारों पर आगे बढ़ने की बात हो, भाजपा ने बिना संकोच किये अपने नीतिगत मुद्दों पर कदम आगे बढ़ाया और राष्ट्र को प्रगति पथ पर ले गयी।

किसी हीरोइन से कम नहीं हैं मनोज कुमार की पोती!

कोविड में शादी कर चर्चा में आईं

भारतीय सिनेमा के दिग्गज एक्टर और डायरेक्टर मनोज कुमार हमारे बीच नहीं रहें। अभिनेता को अचानक से निधन के कारण फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर फैल गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्हें हार्ट अटैक के कारण कार्डियोजेनिक शॉक पड़ा है। इस बीच उनके परिवार की एक सदस्य चर्चा का विषय बन चुकी हैं। एक्टर की पोती मुस्कान काफी सुर्खियों में है, आइए आपको बताते हैं इनके बारे में-

हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता मनोज कुमार का लंबी बीमारी के बाद मुंबई में निधन हो गया। एक्टर 87 वर्ष के थे। कुमार को मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। एक्टर को भारत नास से भी जाना जाता था और आज लोग उन्हें इसी नाम से जानते हैं। इस बीच एक्टर की पोती मुस्कान गोस्वामी ओहरी का 6 साल पहले अंदाज वायरल हो रहा है। कोविड के दौरान मुस्कान ने बिजनेसमैन निखिल ओहरी के शादी की बाद उनकी तस्वीरें देखकर सब उनको हीरोइन समझ रहे। आइए आपको इस लुक के बारे में बताते हैं।

आपको बता दें कि, मुस्कान और निखिल की शादी साल 2021 में हुई। मुस्कान ने डिजाइनर रिम्पल और हरप्रीत का खूबसूरत गोल्डन फ्लोरल लहंगा पहना है, तो दूसरी ओर उनके पति ने बेज कलर की शेरवानी के साथ लुक को कॉम्प्लिमेंट कर गए। शेरवानी पर फूलों की कढ़ाई और वाइट पर्ल्स लेयर्ड माला पहन रखी है।

मुस्कान के लहंगा की बात करें तो यह बेहद ही खूबसूरत है। हसीना के वेडिंग के लुक को देखकर सभी उन्हें हीरोइन समझ रहे हैं। मुस्कान की नेकलाइन वाली चोली को सेक्वीन सितारों और कढ़ाई से हैवी लुक दिया गया, तो लहंगा काफी भारी-भरकम लग रहा है। इसके साथ ही जूलरी ने भी आग लगा रखी है। मुस्कान ने स्टेटमेंट नेकलेस पहना, तो मैचिंग झुमके, मांग टीका, नथ और कलीरे बेहद प्यारे लग रहे हैं। हसीना ने लाइट पिंक चूड़ा पहना है, जो लहंगे से मैच कर रहा है।

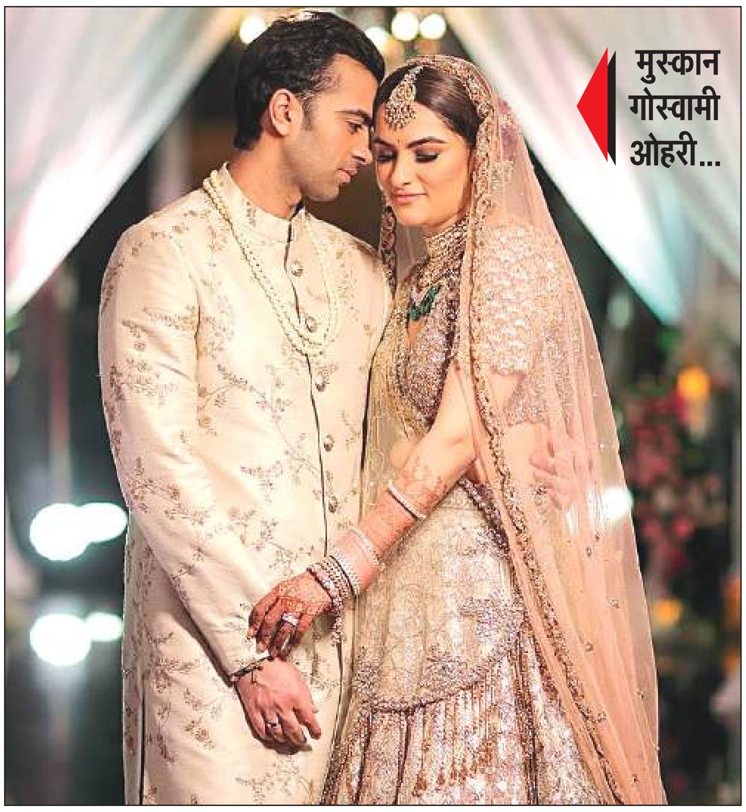
मुस्कान गोस्वामी ओहरी...

केवाईसी अपडेट फ्रॉड के मामलों में रही बढ़ोत्तरी

जानें सुरक्षित रहने के उपाय...

टेक्नोलॉजी

आज के डिजिटल युग में जहां इंटरनेट और स्मार्टफोन ने हमारे जीवन को आसान बना दिया है, वहीं साइबर अपराधियों ने भी इसका गलत फायदा उठाना शुरू कर दिया है। इन दिनों केवाईसी फ्रॉड के मामलों में भारी वृद्धि हो रही है। यह एक ऐसा साइबर अपराध है जिसमें धोखेबाज आपके व्यक्तिगत और वित्तीय जानकारी को चुराकर आपको ठगते हैं। ऐसे में, केवाईसी फ्रॉड से सतर्क रहना बेहद जरूरी है। आइए जानते हैं कि केवाईसी फ्रॉड कैसे होता है और इससे बचने के लिए किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

केवाईसी प्रक्रिया बैंकों, वित्तीय संस्थानों और अन्य कंपनियों द्वारा ग्राहक की पहचान को सत्यापित करने के लिए की जाती है। हालांकि, साइबर अपराधी इस प्रक्रिया का दुरुपयोग कर लोगों से उनकी गोपनीय जानकारी चुरा लेते हैं। वे खुद को किसी बैंक, कंपनी, या सरकारी एजेंसी का अधिकारी बताते हैं और लोगों से उनकी व्यक्तिगत जानकारी मांगते हैं। लोग अक्सर इस धोखाधड़ी के जाल में फंस जाते हैं और अपनी बैंक डिटेल्स, आधार कार्ड नंबर, पैन कार्ड नंबर, और अन्य निजी जानकारी साझा कर देते हैं।

अपराधी अलग-अलग तरीकों से केवाईसी करते हैं फ्रॉड

धोखेबाज आपको कॉल करके यह दावा करते हैं कि आपकी केवाईसी जानकारी अपडेट करनी है और इसके लिए आपको कुछ दस्तावेज़ों और बैंक डिटेल्स की जानकारी देनी होगी। कई बार वे किसी ऐप या वेबसाइट का लिंक भी भेजते हैं, जिसे खोलने पर आपका निजी डेटा चोरी हो जाता है।

केवाईसी फ्रॉड के तहत फिशिंग ईमेल और एसएमएस का भी इस्तेमाल किया जाता है। आपको एक संदिग्ध लिंक के साथ मैसेज या ईमेल मिलता है, जिसमें यह कहा जाता है कि अगर आपने अपनी केवाईसी अपडेट नहीं की, तो आपका बैंक खाता या सिम कार्ड ब्लॉक कर दिया जाएगा। इस डर के चलते लोग जल्दबाजी में उस लिंक पर क्लिक कर देते हैं, और उनकी जानकारी चोरी हो जाती है।

ठगी से ऐसे बचें

किसी भी अनजान नंबर से आए कॉल, मैसेज, या ईमेल पर दिए गए लिंक पर कभी भी क्लिक न करें। किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ अपनी पर्सनल जानकारी साझा न करें, चाहे वह खुद को किसी बैंक का अधिकारी बताता हो या सरकारी एजेंसी से होने का दावा करता हो। अगर कोई कॉल, मैसेज, या ईमेल के जरिए आपसे व्यक्तिगत जानकारी मांगी जा रही है, तो पहले उसे किसी अधिकृत स्थान से वेरिफाई करें। किसी भी ईमेल या मैसेज में दिए गए लिंक पर बिना जांच-पड़ताल के क्लिक न करें। ये लिंक आपकी जानकारी को चोरी करने का जरिया हो सकते हैं।

अनजान नंबर से आए कॉल और मैसेज के जरिए अगर कोई आपको किसी एप या वेबसाइट को खोलने के लिए कहता है, तो उस पर क्लिक न करें। इन एप्स या वेबसाइट्स के जरिए आपका डेटा चोरी हो सकता है। हमेशा सुरक्षित इंटरनेट का इस्तेमाल करें। पब्लिक वाईफाई का उपयोग करने से बचें, क्योंकि साइबर अपराधी इस नेटवर्क के जरिए आपके डिवाइस तक पहुंच सकते हैं और आपकी जानकारी चुरा सकते हैं। अपने डिवाइस में एंटीवायरस सॉफ़्टवेयर का इस्तेमाल करें और नियमित रूप से अपने पासवर्ड को अपडेट करें।

अगर आप सतर्क रहें और ऊपर दिए गए सुझावों का पालन करें, तो आप इस धोखाधड़ी से बच सकते हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ अपनी व्यक्तिगत जानकारी साझा करने से पहले उसकी सत्यता की जांच करें। इंटरनेट और डिजिटल सेवाओं का इस्तेमाल करते वक्त सुरक्षित तरीकों को अपनाएं और किसी भी संदिग्ध गतिविधि से सतर्क रहें। साइबर अपराधी अक्सर आपकी लापरवाही का फायदा उठाते हैं, इसलिए हमेशा सतर्क और जागरूक रहें।

पढ़ते समय नींद से भर जाती हैं आंखें?

अपनाएं ये तरीके लगने लगेगा पढ़ाई में मन

आजकल माता पिता बच्चों की इस आदत से परेशान रहते हैं कि एग्जाम टाइम में पढ़ने के लिए बैठते ही उनकी आंखों में नींद भर जाती है। लेकिन यही बच्चा घंटों टीवी या मोबाइल को बिना पलक झपकाए टकटकी लगाए देखता रहता है। अगर आपकी भी अपने बच्चे से यही शिकायत है तो उसे बिना डांटे-मारे ये कुछ पेरेंटिंग टिप्स अपनाकर अपनी इस शिकायत को दूर कर सकते हैं। दरअसल, बच्चों का मन बेहद चंचल होता है। ऐसे में उनका पढ़ाई के बीच में से बार-बार उठना या ध्यान भटकाना स्वाभाविक होता है। उन्हें एक अच्छे अध्ययन के लिए लंबे समय तक ध्यान और एकाग्रता की आवश्यकता होती है। आइए आज के पेरेंटिंग टिप्स में जानते हैं बच्चे को पढ़ाई के बीच में नींद लेने से कैसे रोका जा सकता है।

बच्चे के शरीर में ऊर्जा का स्तर अच्छा बनाए रखने के लिए सबसे पहले उसकी नींद का शेड्यूल तय करें। इसके लिए बच्चे का टाइम टेबल ऐसा बनाएं, जिसमें उसके उठने और सोने का एक निश्चित समय तय हो। ऐसा करने से बच्चे के शरीर की आंतरिक घड़ी को विनियमित करने में मदद मिलती है, जिससे बच्चे की नींद की गुणवत्ता में सुधार होता है। बच्चे के साथ अपनाया गया ये उपाय पढ़ाई के दौरान उसे नींद आने की संभावना को कम कर सकता है।

नियमित समय पर ब्रेक लें

लंबे समय तक बिना ब्रेक लिए लगातार पढ़ने से बच्चे को मानसिक थकान और नींद आ सकती है। ऐसे में इस समस्या से राहत पाने के लिए पोमोडोरो तकनीक का उपयोग करें। इस तकनीक में 25 मिनट तक अध्ययन करने के बाद 5 मिनट का ब्रेक लें। ब्रेक के दौरान बॉडी में एनर्जी लेवल बनाए रखने के लिए स्ट्रेच करें या घर का एक चक्कर लगाकर आ जाएं।

अनहेल्दी भोजन करने से होती है बच्चों को थकान महसूस

शरीर में पानी की कमी और अनहेल्दी भोजन करने से बच्चे को थकन महसूस हो सकती है। ऐसे में अध्ययन करते समय बीच-बीच में खूब पानी पिएं स्नैक्स में नट्स, फल या दही जैसी चीजों को शामिल करें। पढ़ने से पहले कभी भी कार्ब रिच फूड का सेवन ना करें। ऐसा भोजन करने से आपको सुस्ती और नींद आ सकती है।

अध्ययन करते समय नींद को भगाने के लिए अपने लिए एक निर्धारित लक्ष्य जरूर रखें। जिसमें अध्ययन से जुड़े पाठ और उन्हें याद करने के लिए दिए जाने वाले समय को विभाजित करें।

झुककर बैठने से आपको अधिक थकान महसूस हो सकती है। अपने पैरों को फर्श पर सपाट रखते हुए सीधे बैठकर सही मुद्रा में बैठकर पढ़ने की कोशिश करें।

यूपी के प्रतिभाशाली बच्चों को मिला दिल्ली घूमने का मौका

» राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के तहत बेसिक शिक्षा विभाग ने बढ़ाए कदम

» कानपुर और लखनऊ मंडल के बच्चे राष्ट्रीय धरोहरों से हुए रूबरू

» एडी बेसिक की अगुवाई में दो वातानुकूलित बसों से भेजे गए बच्चे

» कई ऐसे बच्चे भी जिन्हें नहीं मिला था कभी जिले से बाहर जाने तक का मौका

» दोनों मंडलों से छह लड़कियों को भी मिला टीम में शामिल होने का मौका

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर/बिल्हौर। राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के तहत जनपद स्तरीय मॉडल प्रतियोगिता में चयनित हुए दो सर्वश्रेष्ठ बच्चों को राज्य के बाहर एक्सपोजर विजिट कराए जाने के लिए महानिदेशक स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक समग्र शिक्षा उत्तर प्रदेश लखनऊ से निर्देश दिए गए। जिसके एवज में मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशक बेसिक कानपुर राजेश कुमार वर्मा के नेतृत्व में कानपुर मंडल एवं लखनऊ मंडल के बच्चों का दो दिवसीय एक्सपोजर विजिट दिनांक 4 एवं 5 अप्रैल 2025 को नई दिल्ली में सम्पन्न कराया गया। एक्सपोजर विजिट के तहत बच्चों को दिनांक 4 अप्रैल को नेहरू प्लेटोनेरियम एवं नेशनल साइंस सेंटर का भ्रमण कराया गया। वहीं 5 अप्रैल को इंडिया गेट, नेशनल वार मेमोरियल, रेल संग्रहालय, भारतीय एयरफोर्स संग्रहालय का भ्रमण कराया गया। बच्चों द्वारा उक्त भ्रमण के दौरान विभिन्न वैज्ञानिक संस्थानों का अवलोकन करते हुए विज्ञान के विभिन्न पहलुओं की व्यापक जानकारी प्राप्त की गई। साथ ही नेशनल वार मेमोरियल जाकर राष्ट्र के लिये अपना बलिदान देने वाले शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि भी अर्पित की गई। भ्रमण टीम में छह लड़कियां भी प्रतिभा के बूते अपनी जगह बनाने में कामयाब रहीं।

एक्सपोजर विजिट के दौरान कमलेश गुप्ता खंड शिक्षा अधिकारी ककवन (कानपुर नगर), श्रीमती प्रीति शुक्ल खंड शिक्षा अधिकारी बी.के. टी.(लखनऊ), विज्ञान शिक्षक के रूप में कानपुर नगर जनपद से अजय कटियार तथा श्रीमती प्रिया श्रीवास्तव और लखनऊ जनपद से अनुराग राठौर एवं श्रीमती अंजना मंडल द्वारा एक्सपोजर विजिट मे प्रतिभाग करके बच्चों की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया।

बच्चों ने एक्सपोजर विजिट के दौरान भ्रमण की विभिन्न व्यवस्थाओं परिवहन व्यवस्था, रुकने एवं खान-पान आदि को संतोषजनक बताते हुए राज्य के बाहर ऐसे एक्सपोजर विजिट प्रतिवर्ष आयोजित किये जाने की बात कही।

प्रस्तुति -अवनीश यादव

दिल्ली से वापसी के समय अपने अनुभव लिखते हुए बच्चे।

नई दिल्ली में शैक्षिक भ्रमण के दौरान प्रतिभाशाली बच्चे।

एडी बेसिक के साथ कहां - कहां पर गए स्कूली बच्चे

विभाग ने दो दिवसीय भ्रमण में बच्चों को नेहरू तारामंडल, प्रधानमंत्री संग्रहालय, इंडिया गेट, वार मेमोरियल, राष्ट्रीय रेल संग्रहालय, वायु सेना संग्रहालय नेशनल साइंस सेंटर घुमाया गया। जहां पर स्पेस ऑन स्फेयर मूवी भी देखने को मिली। जिससे बच्चों में स्पेस के लिए अलग समझ विकसित हुई। बच्चों में बेहतर समझ विकसित करने के लिए संस्था द्वारा उत्कृष्ट शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया गया। बच्चों की देखरेख, आवास व्यवस्था, भोजन, नाश्ता , स्वास्थ्य आदि के लिए लोकल गाइड की उत्कृष्ट व्यवस्था की गई। भ्रमण में दोनों दिन एडी बेसिक कानपुर मंडल राजेश वर्मा स्वयं उपस्थित रहे। उन्होंने बच्चों के साथ भ्रमण किया और साथ में भोजन भी किया। देश के विभिन्न राज्यों के अलग अलग खानपान को समझने के लिए बच्चों को आंध्र भवन में दक्षिण भारतीय भोजन भी कराया गया। जिससे बच्चे का भ्रमण और भी आनंदमय हो गया।

शैक्षिक भ्रमण कर उत्साहित दिखे बच्चे

बेसिक शिक्षा परिषद के जिन स्कूलों के बच्चों को सामान्य तौर पर कूलर और पंखे भी बमुश्किल से नसीब हो पाते हैं। उन कुछ प्रतिभाशाली बच्चों को प्रदेश सरकार ने वातानुकूलित बसों से दिल्ली तक सफर कराया और वातानुकूलित कमरों में उनके ठहरने का इंतजाम भी कराया। पहले इतने लंबे सफर पर जाने से अधिकांश बच्चे और अभिभावक कतरा रहे थे। लेकिन जब वापसी के समय उनका फीडबैक लिया गया तो वह खासे उत्साहित नजर आए।

बेसिक शिक्षा विभाग की पहल से यादगार बनी बच्चों की विजिट

कानपुर जिले से इस शैक्षिक भ्रमण के लिए कल्याणपुर के उच्च प्राथमिक विद्यालय होरा बांगर के अनुराग तिवारी और दिव्यांशी को दिल्ली जाने का मौका मिला। होम एक्सप्रेस एजेंसी को विभाग द्वारा सारी सुविधाएं मुहैया कराने को कहा गया। एजेंसी ने बहुत ही अच्छी व्यवस्था की। जिसकी सराहना की गई। दो दिवसीय टूर में कई बच्चे ऐसे भी थे जो कभी अपने जनपद के भी बाहर नहीं गए थे। जब उन्हें दिल्ली जाने का मौका मिला तो मन में तमाम तरह के सवाल थे। लेकिन जब उन्हें उन तमाम पलों का साक्षी बनने का मौका मिला तो यह सफर उनके जीवन के लिए अविस्मरणीय बन गया।

बीच सड़क में युवक ने किशोरी की भरी मांग

खबर पाकर उसकी मां युवक के घर पहुंची तो परिजनों ने उसे धमकाया और मारपीट की

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कानपुर में हैरान करने वाला मामला सामने आया है। युवक ने घर से बाजार के लिए निकली किशोरी की बीच सड़क पर मांग भर दी और घर ले जाकर शादी भी कर ली।गले में मंगलसूत्र, हाथों में चूड़ियां और पैर में बिछिया भी पहना दी। और फिर ये खबर पाकर उसकी मां युवक के घर पहुंची तो परिजनों ने उसे धमकाया और मारपीट की।

मां ने गोविंदनगर में नाबालिग बेटी से जबरन शादी करने और मारपीट की रिपोर्ट भी दर्ज कराई है। पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

साथ ही मूलरूप से हरदोई निवासी दंपती

दादानगर में रहते हैं। उसकी मां के अनुसार उनकी 16 वर्षीय बेटी को क्षेत्र में रहने वाला युवक अनुराग उर्फ गोल्डी काफी समय से परेशान कर रहा था।

शनिवार उनकी बेटी काम से बाजार जा रही थी, तभी रास्ते में अनुराग ने बेटी को रोका और बीच सड़क पर उसकी मांग में सिंदूर भर दिया।

और फिर इसके बाद बेटी को अपने घर ले गया और वहां उसके गले में मंगलसूत्र, हाथों में चूड़ियां और पैर में बिछिया पहना दी।

जब वह आरोपी युवक के घर शिकायत करने गईं तो उसके परिजनों ने कहा कि अब वह हमारी बहू है और हमारे साथ ही रहेगी। इतना ही नहीं विरोध करने पर आरोपियों ने मारपीट की। जान से मारने की धमकी देकर भगा दिया। पीड़िता ने मामले की शिकायत गोविंदनगर पुलिस से की।

साथ ही इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर युवक व उसके परिजनों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। नाबालिग किशोरी युवक के घर में मिली है।

आरोपी अनुराग को गिरफ्तार कर जेल भी भेज दिया गया है।

अब मजिस्ट्रेट के सामने बयान किशोरी का दर्ज होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हर्षोउल्लास से मनाई गई निषाद महाराज की जयंती

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर।महर्षि कश्यप निषाद जन कल्याण समिति के तत्वधान में महर्षि कश्यप एवं गुहराज निषाद महाराज की जयंती हर वर्ष की भांति मैनावती मार्ग में हर्षोउल्लास से मनाई गई। इस कार्यक्रम को मुख्य रूप से प्रदेश सयोजक राम बाबू निषाद , प्रदेश महामंत्री श्याम कश्यप एडवोकेट शंकर लाल कश्यप, अन्नु कश्यप, विनोद कश्यप, सर्वेश कश्यप, श्रवण कश्यप पंकज कश्यप , सौरभ कश्यप मीडिया प्रभारी धीरज कश्यप अन्य साथी मौजूद रहे।

भाई-बहन ने मां तपेश्वरी मंदिर में लगवाई सांग

साथ ही यात्रा भी निकाली गई

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। हर साल नवरात्र शुरू होते ही व्रत रखने वालों के दिल में मां से कामना के साथ माता के दर्शन प्राप्त करने की इच्छा होती है। वहीं, शुक्लागंज के रहने वाले भाई मनीष कश्यप और बहन रिया कश्यप ने मां तपेश्वरी माता से अपनी इच्छा की कामना की। नवरात्र के अंतिम दिन यानी रामनवमी को मां तपेश्वरी के दर्शन किए। उससे पहले भाई-बहन ने सांग लगवाई और माता रानी के नाम से यात्रा निकाली। यह यात्रा रामनवमी को कानपुर के बादशाही नाका से निकाली गई और बिरहाना रोड स्थित तपेश्वरी माता मंदिर तक पहुंची। देवी दुर्गा की पूजा के लिए यह पर्व मनाया जाता है। इस दौरान भाई-बहन अपने प्यार और सम्मान को दर्शाने के लिए विभिन्न गतिविधियों में भाग लेते हैं। रामनवमी नवरात्र के अंतिम दिन मनाया जाता है और यह भगवान राम के जन्म का उत्सव है। इस दिन भाई-बहन ने मां तपेश्वरी के दर्शन किए और अपने प्यार और सम्मान को दर्शाया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार RNI No.: UPHIN/2023/86769 | Email: swarajindia2023@gmail.com | Mob: 7800009853, | Website: www.swarajindianews.com | प्रधान संपादक रतन प्रकाश सिंह (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

ऐसा क्या हुआ जो कानपुर में अधूरी रह गई रामनवमी की प्रथा

» रावतपुर के रामलला मंदिर में साउंड सिस्टम को लेकर हुआ विवाद गहराया

» सोशल मीडिया पर छाया रहा मुद्दा

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर । रावतपुर में ऐतिहासिक राम मंदिर में कई वर्षो से चली आ रही प्रथा अचानक क्यों हुई भंग, इसका हम आपको खबर के माध्यम से समझाते हैं।जैसा कि पुलिस के अधिकारियों ने जानकारी दी कि सभी जगह अलग अलग स्तर पर बैठक करके सभी आयोजकों को बताया गया कि साउंड सिस्टम का एक मानक है। जिस मानक से ही साउंड सिस्टम बजाया जाएगा लेकिन वहीं आयोजकों की माने तो कुछ आयोजकों का कहना है कि हमको ऐसी कोई भी जानकारी नहीं मिली वहीं कुछ आयोजकों का साफ साफ कहना है की हम पुलिस की गाइड लाइन के हिसाब से ही अपनी रामनवमी की शोभा यात्रा का आयोजन करेंगे। जहां पर एक तरफ शांति से कुछ जगह शोभा यात्रा का आयोजन हुआ।। वहीं कुछ जगह पर पूरा दिन पुलिस और रामभक्तो की नोंकझोंक चलती रही ।

कानपुर के मसवानपुर में बड़ा मंदिर समिति के खिलाफ कुछ महिलाओं ने शोभा यात्रा के बाधित करने का आरोप लगाया और यात्रा को बिना साउंड सिस्टम के ही शोभा यात्रा निकलने का मन बनाया और यात्रा लेकर बड़ा मंदिर से जैसे ही आगे बढ़ी उनको बड़ा मंदिर समिति का विरोध प्रदर्शन झेलना पड़ा। वही भाजपा की नेत्री ने आरोप लगाया कि कुछ अराजक तत्वों ने यात्रा को बाधित करने का काम करा ईट पत्थर भी चलाए जूते चप्पल चलाने का आरोप लगाया, जिसकी पुष्टि हम नहीं करते है ।

महिला नेत्री ने आरोप लगाया कि कुछ लोगों ने माहौल बिगड़ने के लिए यात्रा को रोक रखा है ।वहीं पर मसवानपुर के पास ब्रह्मदेव चौराहा के पास किसी अराजक तत्व के द्वारा शोभा यात्रा पर जूता फेंक दिया। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसके बाद ब्रह्मदेव चौराहा पर पुलिस और पब्लिक में नोक झोक हो गई। पुलिस ने जुता फेंकने वाले युवक को पकड़ लिया था लेकिन पब्लिक ने पुलिस से युवक को छुड़ा लिया ।

दरअसल शनिवार रात को रावतपुर ने बिना मानक बजा रहे साउंड सिस्टम को हटवा दिया था इसलिए माहौल गरम हो गया और आयोजकों ने शोभा यात्रा निकालने से मना कर दिया लेकिन रविवार शाम को रावतपुर रामलला मंदिर से शोभा यात्रा का आयोजन किया ।जहां एक तरफ बड़ा मंदिर सीमित के पास आए सुंदर सुंदर झांकी करने बच्चों को वापस मायूस होकर वापस आना पड़ा ।

महानवमी पर दिखी ज्वारों की धूम

चैत्र नवरात्रि की महानवमी के दिन शहर में ज्वारों की धूम दिखी। गली गली ज्वारों की यात्रा निकली। इस दौरान भक्तों ने अपने मुंह में सांग लगवा कर माता रानी की प्रणाम किया। कई जगह रात्रि में जागरण के आयोजन किए गए और भंडारों का आयोजन किया गया।

शर्मनाक : नहर में उतराते शव से चोरी किए जेवर

दो अप्रैल की रात बाइक सवार दंपती सहित दो बच्चे नहर में गिर गए थे, आरोपी गिरफ्तार

मृतक परिवार

पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बाराबंकी। चार दिन पहले नहर में गिरे दंपती और दो वच्चों के मामले में नया मोड़ आ गया है। पुलिस को पता चला कि महिला का शव वनकुंड्या की झाल में फंस गया था।

उस दौरान एक युवक ने शव को पानी से निकालकर उसके जेवरात चोरी कर लिए और वापस उसे पानी में ढकेल दिया था। फिर महिला का शव जैदपुर के दरावां के पास से मिला था। शव की पहचान उर्मिला के रूप हुई थी।

शनिवार को सफदरगंज इंस्पेक्टर अरुण प्रताप सिंह ने सेमरी निवासी युवक गौतम पंडित को दबोच कर चोरी के जेवरात बरामद कर लिए।

एडिशनल एसपी अखिलेश नारायण सिंह ने बताया कि शव से जेवरात की चोरी की पुष्टि के बाद आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

एसडीआरएफ ने खोजे दो शव

कई दिन बाद बेटी रागिनी का शव शनिवार को कुसुंभा गांव और बेटे अर्पित का शव सतरिख इलाके से नहर में मिला। पवन कुमार के शव की तलाश अब एसडीआरएफ की टीम कर रहीं है।

दो अप्रैल की रात करीब एक बजे लखनऊ के मटियारी में आयोजित तिलक समारोह से लौट रहे फतेहपुर के गंगौली निवासी पवन कुमार बाइक सहित मामापुर के निकट नहर में गिर गए थे। बाइक पर पत्नी उर्मिला और बेटी रागिनी और बेटा अर्पित भी सवार था।

खंडहर में तब्दील होता जा रहा आईटीआई कॉलेज

» **लाखो की लागत से कक्षाओं में लगी ए.सी. भी खराब होने की कगार**

» **जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही के चलते बदहाली**

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

रामनगर(बाराबंकी)। सरकार के द्वारा करोड़ों रुपए खर्च कर बनवाया गया आईटीआई कॉलेज खंडहर में तब्दील होता जा रहा है. पूरे परिसर में जंगल झाड़ी उगी हुई है। लाखो की लागत से कक्षाओं में लगी एसी. भी खराब होने की ओर अग्रसर है लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही के चलते आज तक आईटीआई कॉलेज के संचालन नहीं शुरू हो सका है। तहसील रामनगर के अशोकपुर चाचू सराय गांव में प्रदेश के तत्कालीन सहकारिता मंत्री मुकुट बिहारी वर्मा के द्वारा करोड़ों

रुपए की लागत से बनवाए गए । इस आईटीआई भवन की आधारशिला रखी गई थी। इस भवन के शिलान्यास के साथ ही पूरे क्षेत्र के लोगों में आस जगी थी कि युवकों को अब इधर-उधर भटकना नहीं पड़ेगा।

भवन तों बनकर तैयार होगया लेकिन संचालन अभी तक शुरू नहीं हो सका। जिसके चलते पूरे परिसर में बड़ी-बड़ी घास झाड़ी लगी हुई है भवन का रंग रोगन भी बेकार होता जा रहा है। आईटीआई कॉलेज के संचालन में जिम्मेदार अधिकारी रुचि नहीं ले रहे हैं जिसके चलते अभी तक संचालन शुरू नही हो सका है। क्षेत्रीय लोगों का कहना कि यदि कालेज के संचालन होने लगे तो विद्यर्थियों को इधर उधर भटकना नही पड़ेगा।

पुलिस एनकाउंटर में दो बदमाश घायल

डीसीपी गोमती जोन प्रमोद कुमार ने बताया कि पुलिस के हाथ लगे दोनों बदमाश लूट की घटना में वांछित चल रहे थे

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

वाराणसी। एनकाउंटर स्पेशलिस्ट पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल के निर्देशन और गोमती जोन के तेजतर्रार डीसीपी प्रमोद कुमार के कुशल मार्गदर्शन में अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे आभियान के क्रम में शनिवार रात्रि में बड़ागांव थाना क्षेत्रों के अहरक इलाके में एसओजी और स्थानीय पुलिस को पिछले दिनों 9 मार्च को सर्राफा कारोबारी को दिन–दहाड़े गोली मारकर लुट की घटना को अंजाम देने के बाद फरार चल रहे बदमाशों के आने की सूचना मुखबिर के दौरान मिली ।जिसके बाद पुलिस ने बिना किसी देरी के के तत्काल पूरबपुर पोखरे के पास घेराबंदी की जिसके बाद बदमाशों ने पुलिस को देखकर फायरिंग शुरू कर दी ।पुलिस और एसओजी टीम ने अपने आत्म रक्षा में जवाबी कार्रवाई करते हुए फायरिंग की जिसमें दो बदमाशों के पैर में पुलिस की गोली लगने से जख्मी हुए है ।डीसीपी गोमती जोन प्रमोद कुमार ने बताया कि पुलिस के हाथ लगे दोनों बदमाश गोलू यादव और विकास यादव लुट की घटना में वांछित चल रहे थे ।बदमाशों को उपचार हेतु अस्पताल में भर्ती कराया गया है.

डोभियारा गांव में तांत्रिक की गला

» इलाके में फैली सनसनी, कमरे में खून से लथपथ मिला शव, दो संदिग्ध हिरासत में

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। अयोध्या जनपद के इनायत नगर थाना क्षेत्र स्थित डोभियारा गांव में एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है, जहां एक तांत्रिक की गला रेतकर निर्मम हत्या कर दी गई। यह घटना रविवार रात की बताई जा रही है, जब तांत्रिक बाबा बेचनदास (55) अपने मंदिर परिसर में सो रहे थे।

जानकारी के अनुसार, मृतक बाबा करीब 25 वर्षों से गांव के बाहर मौनी बाबा की कुटी के पास स्थित एक मंदिर में रहकर ओझाई–तांत्रिक क्रियाएं करते थे। ग्रामीणों के अनुसार, रविवार रात किसी ने उनका दरवाजा खुलवाकर धारदार हथियार से गला काट दिया। सोमवार सुबह जब ग्रामीण पूजा के लिए मंदिर पहुंचे तो बाबा का शव खून से लथपथ अवस्था में पड़ा मिला। यह दृश्य देख गांव में हड़कंप मच गया और तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। घटना की जानकारी मिलते ही इनायत नगर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटनास्थल पर फॉरेंसिक टीम ने पहुंच कर साक्ष्य एकत्र किए और मामले की जांच शुरू कर दी गई है ।इनायत नगर थाना प्रभारी देवेंद्र पाण्डेय ने बताया कि प्रारंभिक जांच जारी है और हत्या के कारणों का पता लगाया जा रहा है। वहीं, बाबा की किसी से दुश्मनी नहीं थी। उनका परिवार गांव में ही थोड़ी दूरी पर रहता है।

इस मामले में एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी ने बताया कि दो संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। जल्द ही हत्या के पीछे की साजिश और अपराधियों का खुलासा किया जाएगा।

गोरखपुरः जनता दर्शन में बोले मुख्यमंत्री योगी

सरकार का संकल्प किसी के साथ नहीं होगा अन्याय

कहा- जमीन पर कब्जा करने वालों पर हो कार्रवाई

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान लगातार दूसरे दिनए सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में करीब 300 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और समस्या लेकर आए लोगों से आत्मीयता से संवाद करते हुए कि किसी को भी घबराने या परेशान होने की जरूरत नहीं है। जनता दर्शन के दौरान आज सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर परिसर में महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद गए और एक.एक कर उनकी समस्याओं को सुना और अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पी?ित व्यक्ति की शिकायत पर सुनिश्चित कार्रवाई करते हुए समस्या का समाधान कराया जाएगा।

सीएम योगी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि लोगों की समस्याओं का निस्तारण उनकी सरकार की विशेष प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि उनका समाधान त्वरित और संतुष्टिपरक तरीके से कराना सुनिश्चित कराएं। जनता दर्शन में कुछ महिलाएं जमीन से जु? विवादों में प्रार्थना पत्र लेकर पहुंची थीं। कुछ की शिकायत थी कि दबंग उनकी जमीनों पर कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। इन शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को क?ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जमीन कब्जाने में पेशेवर प्रवृत्ति वालों को भू माफिया के रूप में चिन्हित कर सख्ती की जाए। किसी भी गरीब की जमीन पर कब्जा करने वालों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई करें जो नजीर बने। जमीनी विवादों का समाधान तत्परतापूर्वक इस तरह होना चाहिए जिससे पीड़ित व्यक्ति संतुष्ट दिखे।

सीएम योगी ने मोर को खिलाया केला और रोटी

गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सोमवार सुबह की दिनचर्या परंपरागत रही। प्रातः काल गुरु गोरखनाथ का दर्शन पूजन करने तथा अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर मत्था टेकने के बाद वह मंदिर परिसर के भ्रमण पर निकले। गोशाला जाकर मुख्यमंत्री ने गोसेवा की। गोशाला के समीप एक मोर को रोटी और केला खिलाकर उस पर अपना स्नेह लुटाया। मंदिर परिसर का भ्रमण करने के दौरान सीएम योगी की नजर अपने परिजनों संग आए बच्चों पर पड़ी तो उन्होंने बच्चों को पास बुला लिया।

सीएम ने उनसे हंसी ठिठोली करके खूब प्यार.दुलार किया और चॉकलेट गिफ्ट की। एक नन्हा बच्चा चॉकलेट का रैपर नहीं खोल पा रहा तो मुख्यमंत्री ने अपने हाथों से रैपर हटाकर उसे खाने को दिया।

बांके बिहारी के दान पर बैंककर्मी की नीयत डोली

पैंट में ठूंसकर 9 लाख रुपये चुरा लिए

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया।

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के वृंदावन में विश्व प्रसिद्ध ठाकुर बांके बिहारी मंदिर में भगवान की दर से चोरी की सनसनीखेज घटना सामने आई है। दानपात्र में चढ़ावे के लाखों रुपये चुराने वाला आरोपी भी पकड़ा गया है। यहां मंदिर में पैसे के चढ़ावे को गिनने के लिए आए बैंक के अधिकारी की करतूत सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। वह कपड़ों और अंडरवियर में नोट छिपाकर जाता था। उसके पास से 9 लाख 38 हजार रुपये बरामद किया गया है।

» **सीसीटीवी में कैद हुआ कारनाम, पुलिस ने किया गिरफ्तार।**

» **आरोपी के पास से 9 लाख 38 हजार रुपये बरामद, पूछताछ जारी।**

बांके बिहारी मंदिर की गोलक खुलने के दौरान बैंक कर्मी ने चोरी की थी। यह गोलक शनिवार को दोपहर में खोली गई थी। बैंक के कर्मचारी रुपये गिनने के लिए आए हुए थे। ष्टष्टञ्जङ्क कैमरे की मदद से कर्मचारियों को मंदिर के अंदर पैसों के साथ रंगे हाथ पकड़ा गया। आरोपी के पास से एक लाख से अधिक रुपये मौके से बरामद हुए हैं। सूचना पर पहुंची वृंदावन पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया है। दरअसल, बांके बिहारी मंदिर में आने वाले श्रद्धालु यहां पर जो पैसे दान करते हैं, वो मंदिर में लगे गोलक में एकत्रित होते रहते हैं। बैंक के कर्मचारी उन गोलकों से रुपये गिनकर बैंक में जमा कर देते हैं। यही प्रक्रिया शनिवार को भी चल रही थी। उस समय जिस बैंककर्मी की ड्यूटी गोलक में आए पैसों को गिरने के लिए लगाई गई थी, वो रुपये की चोरी करता हुआ सीसीटीवी में कैद हो गया।

जब बैंक अधिकारी से पुलिस और मंदिर कमिटी के लोगों ने उसकी तलाशी ली तो उसके पास से 500 के 218 नोट और 200 के 98 नोट बरामद हुए। सख्ती से पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह यह चोरी कई दिनों से कर रहा है। पहले तो उसने इन चोरी के पैसों को घर पर रखा बताया। लेकिन बाद में बैंक की शाखा में बैग में छुपा कर एक अलमारी में रखने की जानकारी दी।

पुलिस ने आरोपी के पास से 9 लाख 38 हजार रुपये बरामद किए हैं। इस संबंध में मंदिर के प्रबंधक की तहरीर के आधार पर अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में दो रुपए का इजाफा

लेकिन इसका ग्राहकों पर नहीं पड़ेगा बोझ

» नई दिल्ली, एजेंसी।

सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में 2 रुपये का इजाफा कर दिया है। सरकार ने भले ही पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी बढ़ा दी है। लेकिन इसका असर आपकी जेब पर नहीं पड़ेगा। सूत्रों के मुताबिक बढ़ी हुई एक्साइज ड्यूटी का बोझ ऑयल कंपनियां वहन करेंगी। सरकार ने पिछले साल आम चुनाव से ठीक पहले 14 मार्च को सरकार ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 2 रुपये प्रति लीटर की कमी की थी। दिल्ली में सोमवार को पेट्रोल 94.77 प्रति लीटर और डीजल 87.67 प्रति लीटर के हिसाब से मिल रहा है।

वित्त मंत्रालय ने इस बारे में एक नोटिफिकेशन जारी किया है। इसके अनुसार पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी अब 13 प्रति लीटर हो गई है। वहीं, डीजल पर यह ड्यूटी 10 प्रति लीटर हो गई है। आदेश में यह नहीं बताया गया है कि इसका खुदरा कीमतों पर क्या असर होगा। लेकिन इंडस्ट्री के सूत्रों का कहना है कि खुदरा कीमतों में बदलाव होने की संभावना नहीं है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें गिर गई हैं। इसलिए पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कटौती होनी चाहिए थी। बढ़ी हुई एक्साइज ड्यूटी को उसी कटौती के बदले एडजस्ट किया जाएगा। नए रेट 8 अप्रैल से लागू हो जाएंगे।

सोमवार को कच्चे तेल की कीमतों में भी गिरावट आई। अमेरिकी बेंचमार्क कच्चा तेल 4त्न यानी 2.50 डॉलर गिरकर 59.49 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। इसी तरह ब्रेंट क्रूड 2.25 डॉलर गिरकर 63.33 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। हाल के दिनों में कच्चे तेल की कीमत में काफी गिरावट आई है। इससे ऑयल कंपनियों का रिफाइनिंग मार्जिन बढ़ा है। यही कारण है कि सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में बढ़ोतरी की है। भारत दुनिया का तीसरा बड़ा तेल आयातक और उपभोक्ता है। देश अपनी जरूरत का 87त्न कच्चा तेल आयात करता है।

मिट्टी खुदाई से निकले पांच करोड़, छह लोगों के खिलाफ एफआईआर

कैश गबन मामला

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया।

बागपत। उत्तर प्रदेश के बागपत से एटीएम कैश गबन का बड़ा मामला सामने आया है। कैश गबन मामले की जांच में आई गड़बड़ी के बाद सुरागों के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई की। बागपत पुलिस ने मिटटी में गाड़े गए पांच करोड़ रुपये बरामद कर लिए हैं। ये पैसे एटीएम में डालने के लिए बैंक ने दिये थे, जिनको बैंक कर्मियों ने ही गायब कर दिया। इसके बाद वे फरार हो गए। मामले में छह लोगों के खिलाफ चंडीगढ और बागपत में मामला दर्ज है। गबन में चंडीगढ़ पुलिस के इंस्पेक्टर और दो पुलिस कर्मी भी शामिल हैं।

बागपत की बड़ौत कोतवाली में मेरठ की सीएमएस कंपनी ने कंपनी के दो कर्मचारियों पर एटीएम का कैश गबन करने का आरोप लगाते हुए शिकायत की थी। पुलिस को साथ लेकर कंपनी ने आडिट किया। 24 एटीएम की वीडियोग्राफी की जांच की गई। इसमें पांच करोड़ 26 लाख रुपये गायब करने का मामला सामने आया। पुलिस ने जांच के बाद कंपनी प्रबंधक की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया।

कंपनी प्रबंधक की शिकायत पर मामले की हुई जांच

कंपनी प्रबंधक योगेंद्र सिंह की शिकायत पर गौरव तोमर निवासी जौहड़ी थाना बिनौली, रॉकी मलिक निवासी हसनपुर जनपद शामली के खिलाफ जांच की गई। पुलिस ने दोनों आरोपियों गौरव और राकी को 25 मार्च को तमंचे और कारतूस के साथ गिरफतार कर लिया। जांच में पता चला कि सारा खेल चंडीगढ़ पुलिस की सेटिग से खेला गया। इसके बाद चंडीगढ़ में भी मुकदमा दर्ज कराया गया। चंडीगढ के एक इंस्पेक्टर दो पुलिस कर्मियों और बागपत के जौहड़ी गांव निवासी मनीष को मामले में जेल भेज दिया गया।

एसपी बागपत अर्पित विजयवर्गीय का कहना है कि चंडीगढ जेल में बंद गौरव, रॉकी, इंस्पेक्टर समेत छह आरोपियों को बी वारंट पर लाकर बागपत जेल में शिफ्ट किया गया था। कोर्ट से पांच दिन की रिमांड लेकर आरोपियों से पूछताछ की गई। इसमें मनीष निवासी जौहड़ी की शिनाख्त पर चंडीगढ़ से 50 हजार रुपये बदामद किए गए। पुलिस रिमांड के बाद रविवार को शामली के हसनपुर गांव निवासी रॉकी ने अपने खेत में गडढा खोदकर दबाए गए पैसों का बैग पुलिस को बरामद कराया। वहीं गौरव ने आरिफपुर खड़खड़ी गांव में भूसे के कमरे में गड्ढा खोदकर दबाए रुपये पुलिस को दिए।